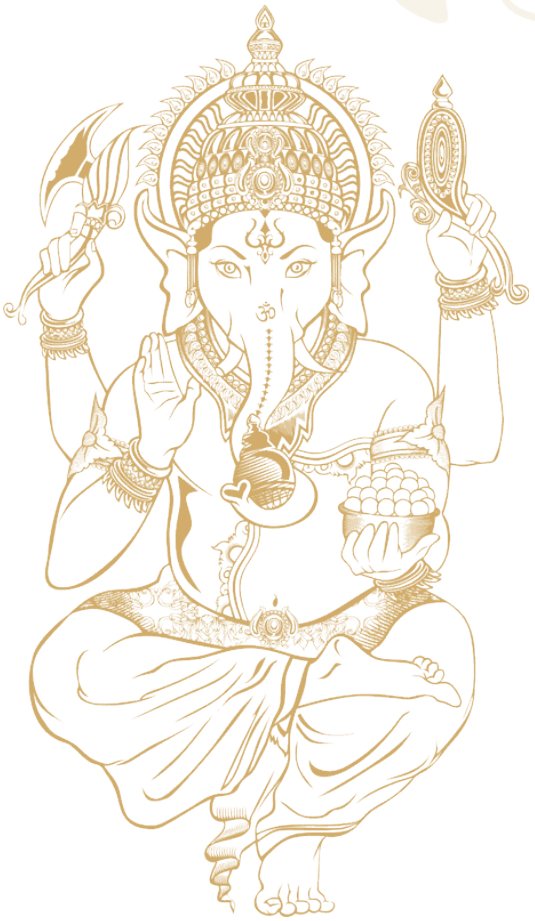

???? ?????

25 Sep 2003

10:15 AM

Khargone

Model: web-freekundliweb

Order No: 121192609

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/09/2003**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	09:55:11 घटी
स्थान	**Khargone**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:49:00 उत्तर
रेखांश	75:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:47:36 घंटे
वेलान्तर	00:08:06 घंटे
साम्पातिक काल	10:02:00 घंटे
सूर्योदय	06:16:55 घंटे
सूर्यास्त	18:21:16 घंटे
दिनमान	12:04:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:48:27 कन्या
लग्न के अंश	01:01:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:01:17	317:51:49	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			कन्या	07:48:27	00:58:48	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	25:14:34	14:18:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल	व		कुंभ	06:14:38	00:01:43	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	20:09:39	00:45:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:14:59	00:12:24	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	17:56:41	01:14:37	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मिथु	18:28:11	00:03:17	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	27:39:25	00:07:58	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	27:39:25	00:07:58	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:45:10	00:01:54	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:42:08	00:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:31:44	00:00:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	04:25:50	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:19

लग्न-चलित

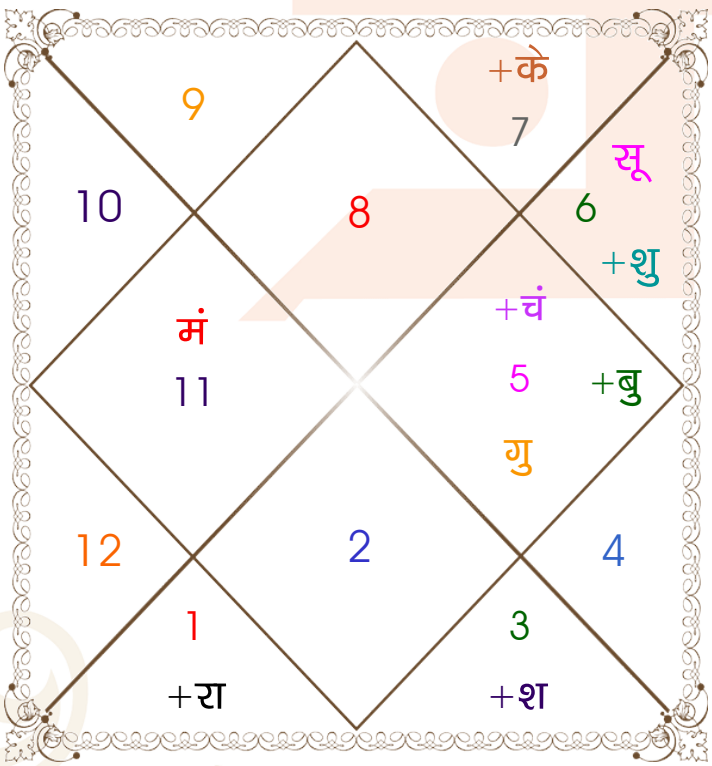

चन्द्र कुंडली

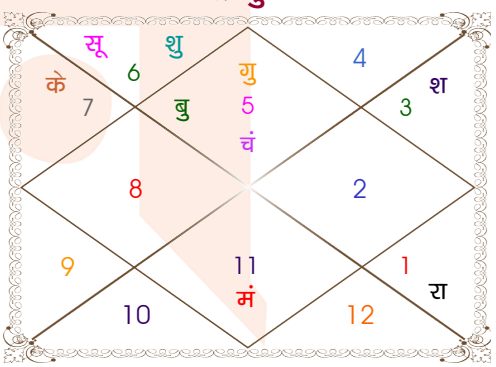

नवमांश कुंडली

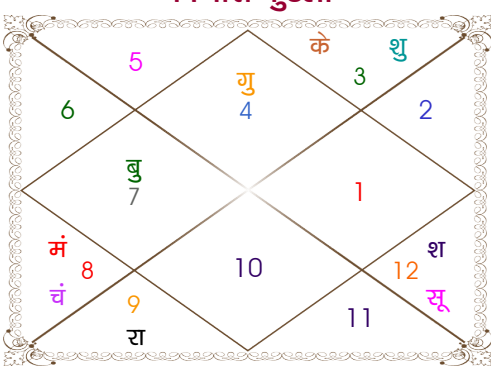

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 1 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/09/2003		13/11/2005		13/11/2011		13/11/2021		13/11/2028	
13/11/2005		13/11/2011		13/11/2021		13/11/2028		13/11/2046	
	00/00/0000	सूर्य	03/03/2006	चंद्र	13/09/2012	मंगल	11/04/2022	राहु	27/07/2031
	00/00/0000	चंद्र	01/09/2006	मंगल	14/04/2013	राहु	30/04/2023	गुरु	19/12/2033
	00/00/0000	मंगल	07/01/2007	राहु	14/10/2014	गुरु	05/04/2024	शनि	25/10/2036
	00/00/0000	राहु	02/12/2007	गुरु	13/02/2016	शनि	14/05/2025	बुध	15/05/2039
	00/00/0000	गुरु	19/09/2008	शनि	13/09/2017	बुध	12/05/2026	केतु	01/06/2040
	00/00/0000	शनि	01/09/2009	बुध	13/02/2019	केतु	08/10/2026	शुक्र	02/06/2043
	25/09/2003	बुध	08/07/2010	केतु	14/09/2019	शुक्र	08/12/2027	सूर्य	26/04/2044
बुध	13/09/2004	केतु	13/11/2010	शुक्र	14/05/2021	सूर्य	14/04/2028	चंद्र	26/10/2045
केतु	13/11/2005	शुक्र	13/11/2011	सूर्य	13/11/2021	चंद्र	13/11/2028	मंगल	13/11/2046

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/11/2046		13/11/2062		13/11/2081		13/11/2098		14/11/2105	
13/11/2062		13/11/2081		13/11/2098		14/11/2105		00/00/0000	
गुरु	31/12/2048	शनि	16/11/2065	बुध	11/04/2084	केतु	11/04/2099	शुक्र	15/03/2109
शनि	15/07/2051	बुध	26/07/2068	केतु	08/04/2085	शुक्र	11/06/2100	सूर्य	16/03/2110
बुध	20/10/2053	केतु	04/09/2069	शुक्र	07/02/2088	सूर्य	17/10/2100	चंद्र	14/11/2111
केतु	26/09/2054	शुक्र	04/11/2072	सूर्य	13/12/2088	चंद्र	18/05/2101	मंगल	14/01/2113
शुक्र	27/05/2057	सूर्य	17/10/2073	चंद्र	15/05/2090	मंगल	15/10/2101	राहु	14/01/2116
सूर्य	15/03/2058	चंद्र	18/05/2075	मंगल	12/05/2091	राहु	02/11/2102	गुरु	14/09/2118
चंद्र	15/07/2059	मंगल	26/06/2076	राहु	28/11/2093	गुरु	09/10/2103	शनि	14/11/2121
मंगल	20/06/2060	राहु	03/05/2079	गुरु	05/03/2096	शनि	17/11/2104	बुध	26/09/2123
राहु	13/11/2062	गुरु	13/11/2081	शनि	13/11/2098	बुध	14/11/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 1 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।